ज़ायद बहा न० 4111

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प	नम्बर, शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफ़ियत में लिखे जाते हैं	A.M. 143
स्टाम्प वाक़ीयती — मु 14 किताब — पांच नं० — 1045	

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

ज़ ।

...ह उमर 75 साल वल्द समशेर सिंह वल्द सुरजन
रघुनाथपुर परगना व तहसील सदर ज़िला
...ाचल प्रदेश का हूँ जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र
(कु...) अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता
इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत
...का मोहताज हूँ मुज़हर के 3 पिसरान हरदेव सिंह,
...सिंह, महेन्द्र सिंह व 3 दुख़्तरान मु० वीना देवी, मु०
स्वर्णलता व 2 ज़ौजगान मु० सीता देवी, मु०
...ज़ूद हैं, सर्वजीत सिंह पिसर मुज़हर को उसके
अयाम नाबालग़ी में ही लाऔलाद नरीना होने
...दिया था और उस ने नाना नानी ख़ुद के फ़ौत
...उन की वरासत भी पाली हुई है उस की शादी
है और वह ख़ुशअसलूबी से ननिहाल में ही
...मुज़हर ने अपने पास मौजूद बच्चगान को भी
...में दिला कर उनकी शादीयां भी कर दी हुई हैं
...महेन्द्र सिंह पिसरान मुज़हर शादीयां होने पर
मिलते ही नाफ़रमाबरदार मुज़हर हो अपना अपना
अर्सा ज़ायद अज़ 22 साल से मुज़हर से अलैहदा
...और ख़ुशअसलूबी से गुज़र करते चले आते हैं,
...व मु० स्वर्णलता दुख़्तरान मुज़हर जिन की के मुज़हर
दहेज दे कर शादीयां की हुई हैं ख़ुशअसलूबी
...अपने सुसराल
...गुज़र
हैं अलबत्ता मु० कुसमलता दुख़्तर मुज़हर जो मुलाज़म है
...शादी भी मुज़हर ने माक़ूल दहेज दे कर ही करी थी
के बाल बच्चेदार होने के ख़ाविन्द ख़ुद से ना निभ...
उस ने व उस के ख़ाविन्द ने एक दुसरे को तलाक़
...हुआ है सो वह ख़ाना मुज़हर यानी वालदैन
...हती चली आती है हरदेव सिंह व महेन्द्र सिंह पिसरान
...अर्सा से वालदा ख़ुद मु० सीता देवी मज़कूरीया जो
...लाग़र हो अकसर बिमार भी होती रहती चली आती है
...मरा ख़ुद ले गये हुये हैं और ख़ुशअसलूबी से उसकी
...परवरिश करते चले आते हैं, मु० नागरदेवी ज़ौजा दोयम
...ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार होती रहती चली
...दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज हो चु...
है मुज़हर व मु० नागरदेवी मज़कूरीया की ऐसी हालत में...
कुसमलता मज़कूरीया दुख़्तर मुज़हर हर तरह से मुज़हर व मु०

(नकल)

8 9 8 9

No. 384566 A. **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा जुज़ 1

मनके करतारसिंह उमर 75 साल वल्द समशेरसिंह वल्द सुरजन सिंह सकना रघुनाथपुर परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का हूं जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र शख़्स है और अरसा से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश का मोहताज है मुज़हर के 3 पिसरान हरदेवसिंह, सिंह, सर्वजीत सिंह, महेन्द्रसिंह व 3 दुख़्तरान मु० वीनादेवी, मु० कुसमलता, मु० स्वर्णलता व 2 ज़ोजगान मु० सीतादेवी, मु० नागरदेवी मौजूद हैं, सर्वजीतसिंह पिसर मुज़हर को उसके नाना नानी ने अयाम नाबालगी में ही लाओलाद नरीना होने से गोद ले लिया था और उस ने नाना नानी ख़ुद के फ़ौत हो जाने पर उन की वरासत भी पाली हुई है उसकी शादी भी हो चुकी है और वह ख़ुशअसलूबी से ननिहाल में ही आबाद है मुज़हर ने अपने पास मौजूद बच्चगान को भी माकूल तालीम दिला कर उनकी शादीयां भी कर दी हुई हैं हरदेवसिंह व महेन्द्रसिंह पिसरान मुज़हर शादीयां होने पर मुलाज़मतें मिलते ही नाफ़र्माबरदार मुज़हर हो अपना अपना कुनबा ले अर्सा ज़ायद अज़ 22 साल से मुज़हर से अलैहदा हो चुके हैं और ख़ुशअसलूबी से गुज़र करते चले आते हैं, मु० वीनादेवी व मु० स्वर्णलता दुख़्तरान मुज़हर जिन की के मुज़हर ने माकूल दहेज दे कर शादीयां की हुई हैं ख़ुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल

वसीयत नामा जुज़ 2

में आबाद हैं अलबत्ता मु० कुसमलता दुख़्तर मुज़हर जो मुलाज़म है और जिस की शादी भी मुज़हर ने माकूल दहेज दे कर ही करी थी की बावजूद के बाल बच्चेदार होने के ख़ाविन्द ख़ुद से ना निभ पाई और उस ने व उस के ख़ाविन्द ने एक दूसरे को तलाक ले, दे, दिया हुआ है सो वह ग़रबाना मुज़हर यानी वालदेन ख़ुद ही रहती चली आती है हरदेवसिंह व महेन्द्रसिंह पिसरान मुज़हर काफ़ी अर्सा से वालदा ख़ुद मु० सीतादेवी मज़कूरीया जो ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार भी होती रहती चली आती है को भी हमरा ख़ुद ले गये हुये हैं और ख़ुशअसलूबी से उसकी ख़िदमत व परवरिश करते चले आते हैं, मु० नागरदेवी ज़ोजा दोयम मुज़हर भी ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज होती है मुज़हर व मु० नागरदेवी मज़कूरीया की [illegible] कुसमलता मज़कूरीया दुख़्तर मुज़हर हर तरह से मुज़हर व [illegible]

करतारसिंह, मौसी मुक़र
Kartar Singh
तसदीक

करतारसिंह, मौसी मुक़र
Kartar Singh
तसदीक

18-7-90

87-21

[illegible] .... [illegible]
किताब .... 5 .... [illegible] है।
[illegible] .... 1645 .... है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
18/7/90

[illegible] सिंह S/o [illegible] सिंह

[illegible] [illegible] नाला कृष्ण [illegible]
[illegible] [illegible] तहसील [illegible]
[illegible] जिला हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 18 जुलाई 1990
मुताबिक 27 आषाढ़ 1912 बरोज बुधवार
समय 3.30 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

[illegible]

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
18/7/90

Kali Singh

Nº 384567 A 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

नागरदेवी ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करती व इलाज मुआलजा करवाती चली आती है जब के हरदेवसिंह व महेन्द्रसिंह मज़कूरान पिसरान मुज़हर महज़ दुख तकलीफ़ मुज़हर में ही मामूली देख भाल मुज़हर करने के इलावा मामूली ख़िदमत मुज़हर भी कर देते चले आते हैं मुज़हर ख़िदमात म्० कुसमलता, हरदेवसिंह व महेन्द्रसिंह

वसीयत नामा जुज़ 3

मज़कूरान के मुताबिक ही उन से खुश है मुज़हर को आयन्दा भी उन से ऐसी ही ख़िदमात मुज़हर व अपनी अपनी वालदा की करते रहने की तवक़ा है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के म्० कुसमलता व हरदेवसिंह महेन्द्रसिंह मज़कूरान को उन की ख़िदमात के मुताबिक ही सिल्ला दे, मुज़हर साहिब जायदाद है गो मुज़हर की जायदाद मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायदाद मुज़हर की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब मुज़हर बक़ायमी होश व हवास ख़मसा खुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायदाद हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जायदाद मुज़हर में से जुमला जायदाद मनक़ूला मुज़हर वाक्या रघुनाथपुर परगना सदर या जहां कहीं भी वाक्या हो की म्० कुसमलता मज़्कूरीया दुख़्तर मुज़हर वाहद मालका व काबज़ा तसव्वर हो गी जब के जायदाद ग़ैर मनक़ूला मुज़हर में से एक किता मकान 2 मंज़िला पुख़ता व ख़ाम, टीन पोश मय मवेशीख़ाना जिस में हरदेवसिंह व महेन्द्रसिंह मज़कूरान व उन के अफ़राद कुनबा

वसीयत नामा जुज़ 4

रिहायश रखते आते हैं और जिस का ग्राम पंचायत के काग़ज़ात में नं० 4 दर्ज है वाक्या रघुनाथपुर परगना सदर के हरदेवसिंह, महेन्द्रसिंह मज़कूरान बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों गे नीज़ दूसरे एक किता मकान दो मंज़िला ख़ाम व पुख़ता टीन पोश जिस में मुज़हर व मु० नागरदेवी व म्० कुसमलता वग़ैरा रिहायश रखते आते हैं और जिस का ग्राम पंचायत के काग़ज़ात में नम्बर 5 है वाक्या रघुनाथपुर परगना सदर की म्० कुसमलता मज़्कूरीया वाहद मालका व काबज़ा तसव्वर हो गी, नीज़ दीगर जायदाद ग़ैर मनक़ूला बक़िस्म अराज़ी मुज़हर वाक्या मौज़यात रघुनाथपुर, न्याई सारली, सुंगल परगना व तहसील सदर व मच्छवारा परगना सुन्हानी तहसील घुमारवीं

बहत्तर
करतारसिंह, गौसी मज़कूर
Kan Tunty

18/7/90

वसीका वसीयतनामा हुआ श्री करतार सिंह S/o शमशेर सिंह

हरफ व हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने

वसीका के तमाम तहरीर व तकमील को सुन व

समझकर सही तसलीम किया। इसकी शनाख्त

श्री सोहन लाल एडवोकेट सि. लाइन्स जिसको मैं हस्त

लिखित हूं। लिहाजा वसीका हमा तस्दीक किया

जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता

Kulwinder

शनाख्त कर्ता

Sohan Lal
Adv.

Sub Registrar Sadar
Dist. [illegible]
18/7/90

684568 A 8/9/8/9

Himachal Government Judicial Paper

या दीगर जहां कहीं भी वाक़्या
ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
हों के हरदेवसिंह, महेन्द्रसिंह, व मु° कुसमलता मज़कूरान
बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों जो किसी
भी दीगर शख़्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी
जायदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा, हरदेवसिंह, महेन्द्रसिंह
पिसरान व मु° कुसमलता दुख़्तर करतारसिंह वल्द रामशेरसिंह
सकना रघुनाथपुर परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश मौसीइलहुम यानी बातरतीब पिसरान
व दुख़्तर मुज़हर मौसी ही हस्ब सराहत बाला कामल
मालकान व काबज़ान जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर
मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी के हों जो किसी भी
दीगर शख़्स को मुज़हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा
वसीयत नामा [illegible] 5
को तबदील या तनसीख़ करवाने का कोई हक हासल ना हो
गा, और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायदाद हर किस्म
मुज़हर मौसी से महरूम तसव्वुर हो गा, मुज़हर मौसी ने
पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तहरीर ना कराई है
इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशतर की हर दस्तावेज़
वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हर मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने
से रद्द तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा
अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के
सनद रहे। तहरीर 18/7/90

गवाहशुद	अलअब्द	गवाहशुद
बलबीरसिंह वल्द गोपालसिंह वल्द सुगासिंह सकना मरहोड़या परगना गेहड़वी तहसील घुमारवीं ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश	करतारसिंह, मौसी मज़कूर Kartar Singh	दुरगासिंह वल्द चोहलासिंह वल्द काहनसिंह सकना डयारा सैक्टर न° 1 न्यू बिलासपुर टाउन परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश Durga Singh

करतारसिंह, मौसी मज़कूर बक़लम खुद
Kartar Singh

[illegible]

हस्ब मुराद सायल लिखा गया सुन समझ कर दस्तख़त तसलीम
किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायकनवीस
बिलासपुर (787 18/7/90) मोहर
(नोट) वसीयत नामा हज़ा 1045 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है।

...tar Singh is ...tified ...
Sohan Lal
Advocate
[illegible]

तस्दीक
नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मुशकूक या कम
व बेश ना है, नकल कुनिन्दा हरबंस सिंह अराइज़ व
वसायकनवीस बिलासपुर शुमार 787 18/7/[illegible]

Registered at No. 143 in Book 3 [illegible]

[illegible] No. 91 on page/pages 72 [illegible] 18th

[illegible] जुलाई [illegible]

Sub Registrar Sadar

Distt. Bilaspur (H.P.)

18/7/20